(iii) As a result of mounting arrears of outstanding dues, Ministry of Coal advised CIL to start supplying coal to the State Electricity Boards only against advance payments. This scheme which is better known as 'Cash and Carry Scheme' was introduced w.e.f. 1-10-1991.

(iv) State Governments have been requested to persuade/enable State Electricity Boards to clear the outstanding dues at the earliest.

कोयला परियोजनाओं को पूरा किया जाना

2446. **श्री राम सिंह राठवा :** क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने निगरानी प्रणाली में प्रभावी रूप से सुधार करके परियोजनाओं को समय पर पूरा कराने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को उत्तरदायी बनाया है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) से (ग) कोयला कंपनियों के पास परियोजनाओं पर निगरानी रखने के लिए एक सुसज्जित संरचनात्मक संगठन विद्यमान है जिसके अंतर्गत प्रत्येक कंपनी में समग्र प्रभार के साथ निदेशक (परियोजना), जिसकी मुख्य महाप्रबंधक/महाप्रबंधक स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों सहित पर्याप्त संख्या में वरिष्ठ अधिकारी का एक परियोजना सेल कार्यरत है । विभिन्न स्तर पर परियोजना की निगरानी पद्धति को मानकीकृत कर दिया गया है जिसका विवरण नीचे दिया गया है :—

स्तर	के द्वारा	समयावधि
1. क्षेत्र	महाप्रबंधक	मासिक
2. सहायक कंपनी	अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक परियोजना निदेशक (परियोजना)	मासिक
3. धारक कंपनी	(1) अध्यक्ष (2) निदेशक मंडल	मासिक (अपवाद स्वरूप) बड़ी परियोजनाओं की समीक्षा प्रत्येक बैठक में की जाती है ।
4. सरकार	(1) सलाहकार (परियोजना) (2) मंत्री	मासिक (अपवाद स्वरूप) तिमाही (बड़ी लम्बित परियोजनाएं) ।

कोयला अन्वेषण परियोजनाएं

2447. **चौधरी हरमोहन सिंह :** क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान कोयला अन्वेषण के कुल कितने कार्य किए गए;

(ख) यह अन्वेषण कार्य किन-किन स्थानों पर किया गया;

(ग) प्रत्येक अन्वेषण कार्य की क्या उपलब्धि रही है; और

(घ) भूमिगत अन्वेषण को प्राथमिकता देने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) से (ग) भारतीय भूसर्वेक्षण, जो कि मुख्यतः देश के विभिन्न भागों में उपलब्ध कोयले के भण्डारों का पता लगाए जाने के लिए क्षेत्रीय अन्वेषण किए जाने के लिए उत्तरदायी है, उसने पिछले 3 वर्षों के दौरान देश में विभिन्न कोयला क्षेत्रों के 33 ब्लाकों/क्षेत्रों (सेक्टरों) का अन्वेषण किया है । इसके अलावा केन्द्रीय खान आयोजन एवं डिजाइन संस्थान लि० द्वारा खान आयोजन के उद्देश्य से प्रमाणित कोयले के भंडारों के विस्तृत भूगर्भीय अन्वेषण किए जाने के लिए विभिन्न कोयला क्षेत्रों/ब्लाकों में अन्वेषण कार्य शुरू किया गया, जिसका ब्यौरा नीचे दिया गया है :—

वर्ष	ब्लाकों की संख्या				मीटर में की गई ड्रिलिंग	अनुमानित भण्डार (मि० टन में)
	भूमिगत प्रत्याशा	ओपनकास्ट. प्रत्याशा	कार्यरत खानें	कुल		
1990-91	74	39	41	154	350076	3976